भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 302#
गुरूवार, 08 दिसम्बर, 2022/17 अग्रहायण, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

देश में पर्यटन अवसंरचना का विस्तार

302#. डा. कल्पना सैनीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार देश में पर्यटन के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए क्या योजना बना रही है; और

(ख) उत्तराखंड में इको एवं वन्य-जीव पर्यटन, एमआईसीई पर्यटन, सतत पर्यटन, क्रूज़ पर्यटन, गोल्फ पर्यटन, पोलो पर्यटन और चिकित्सा पर्यटन की नवीनतम कार्य योजना क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): पर्यटन मंत्रालय ने आगंतुकों को बेहतर पर्यटन अनुभव प्रदान करने के लिए पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के तहत उत्तराखंड राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान की है। पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को संशोधित किया है।

(ख): पर्यटन मंत्रालय ने उत्तराखंड सहित निश पर्यटन उत्पादों के रूप में ईको-पर्यटन, माइस पर्यटन, स्थायी पर्यटन, क्रूज पर्यटन, गोल्फ पर्यटन, पोलो पर्यटन और चिकित्सा पर्यटन को उनके समग्र संवर्धन और विकास हेतु चिह्नित किया है। उक्त का विवरण नीचे दिया गया हैः

(i) भारत को वैश्विक स्तर पर ईको-पर्यटन हेतु पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने ईको-पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है।

कार्यनीतिक दस्तावेज़ में ईको-पर्यटन के विकास के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण स्तभों को चिह्नित किया गया हैः

क. राज्य मूल्यांकन और रैंकिंग

ख. ईको-पर्यटन के लिए राज्य कार्यनीति

ग. आईसी, क्षमता विकास और प्रमाणन

घ. विपणन और संवर्धन

ङ. गंतव्य और उत्पाद विकास

च. सार्वजनिक निजी और समुदायिक साझेदारी

छ. शासन और संस्थागत कार्यढांचा

(ii) पर्यटन मंत्रालय ने माइस उद्योग के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप तैयार किया है। देश में माइस उद्योग की उन्नति और भारत का माइस गंतव्य के रूप में संवर्धन करने के लिए कार्यनीतिक दस्तावेजों में निम्नलिखित कार्यनीतिक हस्तक्षेपों को चिह्नित किया गया हैः

क. माइस के लिए संस्थागत सहायता

ख. माइस के लिए पारिस्थितिक तंत्र (ईको सिस्टम) का विकास

ग. भारतीय माइस उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि

घ. माइस कार्यक्रमों के लिए कारोबार में सुगमता को बढ़ाना

ङ. भारत की माइस गंतव्य के रूप में मार्केटिंग

च. माइस उद्योग के लिए कौशल विकास

इसके साथ, बैठकों, पहलों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों (माइस) के संवर्धन हेतु पर्यटन मंत्रालय ने सभी केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों, उद्योग हितधारकों और सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से जिस भी स्थान पर संभव हो, बैठकें और सम्मेलनों का आयोजन करने का अनुरोध किया है। उन्हें अल्प-पर्यटक काल (ऑफ-सीज़न) गंतव्यों का पता लगाने और उनका प्रचार करने (अप्रैल से सितम्बर तक) के संबंध में भी सूचित किया गया है।

(iii) स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन के लिए भारत को पसंदीदा वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है। कार्यनीति संबंधी दस्तावेज़ में स्थायी पर्यटन के विकास के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण स्तंभों को चिह्नित किया गया हैः

क. पर्यावरणीय स्थिरता का संवर्धन

ख. जैव विविधता का संरक्षण

ग. आर्थिक स्थिरता का संवर्धन

घ. सामाजिक - सांस्कृतिक स्थिरता का संवर्धन

ङ. स्थायी पर्यटन के प्रमाणन के लिए योजना

च. आईईसी और क्षमता विकास

छ. शासन

पर्यटन मंत्रालय ने संघ राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और भारतीय स्थायी पर्यटन सोसाइटी (आरटीएसओआई) के साथ 27 सितम्बर, 2021 को एक समझौता ज्ञापन (एम ओयू) पर हस्ताक्षर किए है। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य एक-दूसरे के पर्यटन क्षेत्र में 'स्थायी पहलों' के संवर्धन और सहायता के उपाय करना और जहां भी संभव हो सहयोगात्मक तरीके से कार्य करना है।

(iv) क्रूज पर्यटन के विकास और संवर्धन के लिए हितधारकों और संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के साथ नियमित संवाद होते हैं। पर्यटन मंत्रालय ने क्रूज पर्यटन पर एक टास्क फॉर्स का गठन किया है जिसमें अध्यक्ष के रूप में सचिव (पर्यटन) और सह-अध्यक्ष के रूप में सचिव (पोत परिवहन) शामिल हैं।

(v) पर्यटन मंत्रालय ने ऐसे कार्यक्रमों को प्रायोजित करने हेतु दिशानिर्देश तैयार किए हैं जो भारत के और/या भारत में गोल्फ पर्यटन के संवर्धन हेतु सक्षम हैं। कार्य योजना के भाग के रूप में गोल्फ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और मंत्रालय घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय गोल्फ संबंधी कार्यक्रमों को प्रायोजित करेगा।

(vi) पर्यटन मंत्रालय ने निश पर्यटन उत्पाद के रूप में पोलो का संवर्धन करने हेतु सहायता प्रदान करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं।

(vii) देश में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने चिकित्सा और निरोगता पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप तैयार किया है। कार्यनीति में निम्नलिखित मुख्य स्तंभों को चिह्नित किया गया हैः

क. निरोगता गंतव्य के रूप में भारत के लिए एक ब्रैंड का विकास करना

ख. चिकित्सा और निरोगता पर्यटन के लिए पारिस्थितिक तंत्र (ईको-सिस्टम) को मज़बूत बनाना

ग. ऑनलाइन मेडिकल वेल्यू ट्रैवल (एमवीटी) पोर्टल की स्थापना करके डिजिटलीकरण करना

घ. मेडिकल वेल्यू ट्रैवल के लिए सुलभता में सुधार

ङ. निरोगता पर्यटन का संवर्धन

च. शासन और संस्थागत कार्यढांचा

*****